भारत सरकार
गृह मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3868
दिनांक 17.03.2020/ 27 फाल्गुन, 1941 (शक) को उत्तर के लिए

पुलवामा आतंकवादी हमले की जांच

3868. श्री हाजी फजलुर रहमानः

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पुलवामा के आतंकवादी हमले में सरकार की जांच के परिणाम के तथ्य सार्वजनिक करेगी;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पुलवामा हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की सीमा पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(घ) सीमाओं पर घुसपैठ की घटनाओं को रोकने और देश की सुरक्षा में तैनात सैनिकों की हताहतों की संख्या को रोकने के लिए सरकार की कार्य-योजना क्या है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी किशन रेड्डी)

(क) और (ख): मामले की जांच की जा रही है।

(ग): पुलवामा हमले के बाद, 82 सुरक्षा बल कार्मिकों (पुलवामा में 40 सीआरपीएफ कार्मिकों सहित) ने जम्मू और कश्मीर में आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी है।

(घ): भारत सरकार ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर सीमा पार से घुसपैठ पर लगाम लगाने के लिए एक बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाया है। इसमें सीमा प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण तथा अंतर्राष्ट्रीय सीमा/नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों की अधिक तैनाती शामिल है। किए गए उपायों में सीमा पर बाड़ का निर्माण/रख-रखाव, सुरक्षा बलों द्वारा आधुनिक हथियारों तथा उपकरणों का उपयोग, सीमा पर फ्लडलाइट लगाना, बेहतर आसूचना तथा आसूचना के प्रवाह में तालमेल और समन्वित

ऑपरेशन शामिल हैं। कुछ संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सीआईबीएमएस) के रूप में एक प्रौद्योगिकीय समाधान लागू किया गया है। इसमें स्मार्ट फेंसिंग, अत्याधुनिक निगरानी प्रौद्योगिकियां जैसे कि थर्मल इमेजर्स, इंफ्रा-रेड तथा लेजर आधारित इंट्रूडर अलार्म, हवाई निगरानी के लिए एयरोस्टेट तथा ग्राउंड सेंसर आदि शामिल हैं।

******